आज 25/08/2023

सीएसए में धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन

❑ महिला कृषक ने पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन चलाकर की धान की रोपाई

मशीन का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 24 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर गुरुवार को जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेलाफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉ. सिंह ने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की आठ घंटे में रोपाई हो जाती है, जबकि मैन्युअल आठ घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। इस मशीन से 2200 से 2500 रुपये प्रति एकड़ खर्च आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। इस अवसर पर डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. पीके सिंह, डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. आरबी सिंह, डॉ. विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारियों सहित कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सफल सजीव प्रदर्शन

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर । सीएसए के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।

उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है ।

उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर ।

सीएसए के तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का हुआ सफल सजीव प्रदर्शन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक श्रीमती माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है ।उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के

किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉक्टर डीपी सिंह, डॉक्टर आरबी सिंह, डॉक्टर विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष जी एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी सहित कानपुर नगर ,कानपुर देहात,उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

पवित्रा हॉस्पिटल
Mob.: 9580438828

नोट
सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
ICU, NICU
HDU, X-RAY
ULTRASOUND
24 x 7
इमरजेन्सी एवं एंबुलेंस की सेवा उपलब्ध
डायरेक्टर- नीरज कुमार
पता : 383 जी.टी. रोड नियर ए.वी.ए. पैलेस, चकेरी मोड़, कानपुर नगर

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

वर्ष:1 अंक: 358 कानपुर, शुक्रवार 25 अगस्त-2023 पृष्ठ -8 मूल्य : 2.00 रु.

करते हुए तीन फायर किए।

पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सफल सजीव प्रदर्शन

नगर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।

उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है।उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉक्टर डीपी सिंह, डॉक्टर आरबी सिंह, डॉक्टर विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष जी एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी सहित कानपुर नगर ,कानपुर देहात,उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से कृषक महिला ने की रोपाई

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर गुरुवार को जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। जिसमें जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की रोपाई 8 घंटे में हो जाती है। जिसमें 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है। जबकि मैन्युअल एक एकड़ खेत की रोपाई करने में पांच श्रमिकों द्वारा 8 घंटे का समय लगने के साथ 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा।

इस अवसर पर डॉ. सी. एल. मौर्य, डॉ. पी. के. सिंह, डॉ. आर. के. यादव, डॉ. पी. के. उपाध्याय, डॉ. डी. पी. सिंह, डॉ. आर. बी. सिंह, डॉ. विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारीयों सहित एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

उत्तराखंड,मध्य-प्रदेश,उत्तर-प्रदेश,राजस्थान,बिहार,महाराष्ट्र,गुजरात,संघ प्रदेश,से एक साथ प्रसारित

RNI NO - UTTHIN/2018/76731

हिन्दी दैनिक

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

दि ग्राम टुडे

सूर्योदय: 05:15 बजे

सूर्यास्त: 06:47 बजे

शुक्रवार , 25 अगस्त 2023

वर्ष: 6 अंक: 08

पेज: 08, मूल्य: 2 रूपये

Email : thegramtodayeditor@gmail.com

सीएसए के तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का हुआ सफल सजीव प्रदर्शन

दि ग्राम टुडे, कानपुर।(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है। जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है ।उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी।इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉक्टर डीपी सिंह, डॉक्टर आरबी सिंह, डॉक्टर विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष जी एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी सहित कानपुर नगर ,कानपुर देहात,उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता रही।

भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

अतिथि प्रो. सुमन रहीं। (ब्यूरो)

अमर उजाला 25/08/2023

सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अब किसान नहीं मशीन रोपेगी धान

जापानी तकनीक से बनी ट्रांसप्लांटर मशीन से आठ घंटे में तीन एकड़ में हो सकेगी रोपाई

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। अब किसानों को खेत में रोपाई के लिए न तो मजदूरों पर खर्च करना होगा और न ही खुद की रोपाई करनी होगी। अब जापानी तकनीक से बनी ट्रांसप्लांटर मशीन धान की रोपाई करेगी। सिर्फ आठ घंटे में मशीन से तीन एकड़ खेत में रोपाई हो सकेगी जबकि सामान्यतः सात से आठ मजदूर आठ घंटे में मात्र एक एकड़ की रोपाई करते हैं। मशीन की कीमत ढाई लाख रुपये है।

गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के तिलहन शोध प्रक्षेत्र में मशीन से धान रोपाई की गई। इसे देखने के लिए कानपुर, कानपुर देहात, फतेहपुर, उन्नाव समेत आसपास जिलों के किसान आए। कानपुर देहात से आईं किसान माया देवी ने मशीन से धान रोपित किया। विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती में इस तकनीक को शामिल करना जरूरी है।

मशीन के बारे में जानकारी देते सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह। संवाद

उन्होंने बताया कि आठ घंटे में पांच मजदूर जब रोपाई करते हैं तो 5000 रुपये प्रति एकड़ में खर्च आता है। इस मशीन से 2200 रुपये में एक एकड़ खेत में तीन घंटे घंटे में रोपाई की जा सकती है। हाथों से रोपाई करने में खेतों में सुव्यवस्थित धान नहीं लगता है, जिससे नुकसान होता है पर मशीन में ऐसा नहीं होगा। कुलपति ने बताया कि मशीन की मदद से प्रति एकड़ में ढाई से तीन क्विंटल धान का अधिक उत्पादन किया जा सकता है। इस मौके पर डॉ. सीएल मौर्या, डॉ. पीके सिंह, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. आरबी सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 57 कानपुर, शुक्रवार 25 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन

कानपुर । सीएसए के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़

खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है ।उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉक्टर डीपी सिंह, डॉक्टर आरबी सिंह, डॉक्टर विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष जी एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी सहित कानपुर नगर ,कानपुर देहात,उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का हुआ सजीव प्रदर्शन

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में कानपुर देहात से आई महिला कृषक श्रीमती माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है। जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है। उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा।

दैनिक जागरण 25/08/2023

कम लागत में धान रोपाई मशीन से ज्यादा करें कमाई

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तिलहन शोध प्रक्षेत्र में गुरुवार को किसानों को जापानी कंपनी कुबोटा की पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई के फायदे बताए गए। कुलपति डा आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। जासं

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

25,08, 2023jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

सीएसए के तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का हुआ सफल सजीव प्रदर्शन

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक श्रीमती माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़ खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है ।उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉक्टर डीपी सिंह, डॉक्टर आरबी सिंह, डॉक्टर विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष जी एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी सहित कानपुर नगर ,कानपुर देहात,उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।

आदित्य शंकर बाजपेई ने कहा कि इस व अंश चतुर्वेदी रहे। बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के

पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन

कानपुर । सीएसए के कल्याणपुर स्थित तिलहन शोध प्रक्षेत्र पर आज जापानी कंपनी कुबोटा द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान की रोपाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद कानपुर देहात से आई महिला कृषक माया देवी ने इस मशीन को स्वयं खेत में चलाकर धान की रोपाई की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि खेती में उन्नत तकनीकी और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हाथ से रोपाई की तुलना में इस मशीन से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो जाती है। डॉक्टर सिंह ने कहा कि धान की खेती में लागत कम और उत्पादन प्रति हेक्टेयर अधिक होता है।उन्होंने बताया कि इस मशीन द्वारा ढाई से तीन एकड़ खेत की 8 घंटे में रोपाई हो जाती है।जबकि मैनुअल 8 घंटे में पांच श्रमिकों द्वारा एक एकड़ खेत की रोपाई हो पाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन से 2200 से 2500 रुपए प्रति एकड़

खर्चा आता है जबकि मैन्युअल रोपाई करने में 4500 से 5000 प्रति एकड़ खर्चा आता है ।उन्होंने बताया कि इस विधि से ढाई से तीन कुंतल प्रति एकड़ धान का उत्पादन अधिक होता है। कुलपति ने बताया कि पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई करने में निश्चित तौर पर प्रदेश व देश के किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक लाभ होगा। क्योंकि समय व रूपए दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर पीके सिंह, डॉक्टर आरके यादव, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉक्टर डीपी सिंह, डॉक्टर आरबी सिंह, डॉक्टर विजय यादव तथा जापानी कंपनी कुबोटा के मनीष जी एवं कृषि विभाग के सभी अधिकारी सहित कानपुर नगर ,कानपुर देहात,उन्नाव एवं फतेहपुर सहित आसपास के जनपदों के एक सैकड़ा से अधिक महिला एवं पुरुष प्रगतिशील किसानों ने सहभागिता की।